B. Com (P)

[This question paper contains 4 printed pag-

Your Roll No...............

Sr. No. of Question Paper : 3369 **D**

Unique Paper Code : 2055091002

Name of the Paper : Hindi Bhasha Aur Sahitya Ka Udbhav aur Vikas (B) (GE)

Name of the Course : **B.Com. (Prog.)**

Semester : I

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. (क) हिन्दी के उद्भव और विकास का वर्णन कीजिए । (12)

अथवा

पूर्वी हिन्दी की बोलियों का संक्षिप्त परिचय दीजिए ।

(ख) आदिकाल की प्रमुख विशेषताएं बताइए । (12)

P.T.O.

अथवा

भारतेन्दु युग की प्रमुख प्रवृतियों का वर्णन कीजिए।

2. कबीर के राम के स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

अथवा

रामचरितमानस के 'केवट प्रसंग' के भाव सौंदर्य का वर्णन कीजिए। (12)

3. बिहारी की प्रेम भावना की विवेचना कीजिए।

अथवा

'भूषण ओज रस के कवि हैं' कथन की विवेचना कीजिए। (12)

4. जयशंकर प्रसाद की राष्ट्रीय प्रेम भावना पर प्रकाश डालिए।

अथवा

हरिवंश राय बच्चन की काव्यगत विशेषताओं की चर्चा कीजिए। (12)

5. सप्रंसग व्याख्या कीजिए :

(क) पोथी पढ़ि-पढ़ि जग मुआ, पंडित भया ना कोय।
ढाई आखर प्रेम का, पढ़े सो पंडित होय।।

अथवा

छुअत सिला भइ नारि सुहाई। पाहन तें न काठ कठिनाई।।
तरनिउ मुनि घरिनी होइ जाई। बाट परइ मोरि नाव उड़ाई।।
एहिं प्रतिपालऊँ सबु परिवारू। नहिं जांनऊँ कछु अठर कबारू।।
जो प्रभु पार अवसि गा चहहू। मोहि पद पदुम पाखरन कहहू।।
(10)

(ख) बतरस लालच लाल की, मुरली धरी लुकाइ।
सौंह करे, भौंहनु हँसै, दैन कहें नटि जाइ।।

अथवा

दावा द्रुमदंड पर, चीता मृगझुंड पर,
भूषण बितुंड पर जैसे मृगराज है।।
तेज तम अंस पर, कान्ह जिमि कंस पर,
त्यों मलेच्छ बंस पर सेर सिवराज है।। (10)

(ग) अरुण यह मधुमय देश हमारा।
जहाँ पहुँच अनजान क्षितिज को मित्रता एक सहारा।।
सरल तामरस गर्भ विभा पर, नाच रही तरुशिखा मनोहर।
छिटका जीवन हरियाली पर, मंगल कुमकुम सारा।।

अथवा

वृक्ष हों भले खड़े,
हों घने हों बड़े,
एक पत्र छाह भी
माँग मत, माँग मत, माँग मत,
अग्निपथ अग्निपथ अग्निपथ। (10)